



## छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का मूल्यांकन:

ताराजली पटेल<sup>1</sup>, डॉ.सीमा अग्रवाल<sup>2</sup>

<sup>1</sup> शोध छात्रा, विश्वनाथ यादव तामस्कर महाविद्यालय, दुर्ग, छत्तीसगढ़

<sup>2</sup> शोध निर्देशक

### ABSTRACT

वित्तीय समावेशन का अर्थ समाज के पिछड़े एवं कम आय वाले लोगों को वित्तीय सेवाएं प्रदान करना है। साथ ही वित्तीय समावेशन का मुख्य उद्देश्य उन प्रतिबंधों को दूर करना है जो वित्तीय क्षेत्र में भाग लेने से लोगों को बाहर रखते हैं। भारत सरकार द्वारा वित्तीय समावेशन को प्राप्त करने के लिए मुद्रा योजना उठाया गया एक कदम है। इस शोध पत्रिका में छत्तीसगढ़ राज्य के लोगों द्वारा मुद्रा योजना के उपयोग का विश्लेषण करने का प्रयास किया गया है। 2019 से 2021 तक मुद्रा योजना में खोले गए खातों की संख्या स्वीकृत राशि एवं वितरण राशि के उपयोग में हुई वृद्धि तथा कमी को दर्शाया गया है।

**KEYWORDS:** वित्तीय समावेशन, मुद्रा योजना, पूंजी प्रवाह।

### INTRODUCTION

मुद्रा योजना सूक्ष्म इकाइयों के उद्योगों के विकास और पुनर्वित्त के लिए भारत सरकार द्वारा स्थापित एक वित्तीय संस्थान है। मुद्रा योजना का उद्देश्य गैर कारपोरेट लघु व्यवसाय क्षेत्रों को बैंकों एनबीएफसी और एम. एफ. आई. जैसे विभिन्न वित्तीय संस्थानों के माध्यम से धन उपलब्ध कराना है। उद्यमिता के विकास में सबसे बड़ी बाधा इन क्षेत्रों को वित्तीय सहायता की कमी है। इस क्षेत्र के 90% से अधिक लोगों में वित्त के औपचारिक स्रोतों तक पहुंच नहीं है। अतः भारत सरकार द्वारा इन अनौपचारिक क्षेत्रों की जरूरतों को पूरा करने के लिए ही एक वैधानिक अधिनियम के माध्यम से 8 अप्रैल 2015 को मुद्रा बैंक की स्थापना की गई जिनकी ऋण आवश्यकता 10 लाख रु तक है।

मुद्रा योजना को शुरू में भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (SIDBI) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के रूप में बनाया गया था, जिसमें 100% पूंजी का योगदान था। वर्तमान में, MUDRA की अधिकृत पूंजी 1000 करोड़ है और प्रदत्त पूंजी 750 करोड़ है, जो SIDBI द्वारा पूरी तरह से सब्सक्राइब की गई है। यह अधिक पूंजी से मुद्रा के कामकाज में वृद्धि की उम्मीद है। एजेंसी वित्त संस्थानों का समर्थन करके सभी माइक्रो-उद्यम क्षेत्र के विकास और पुनर्वित्त के लिए जिम्मेदार होगी, जो विनिर्माण, व्यापार और सेवा गतिविधियों में लगे सूक्ष्म/लघु व्यवसाय संस्थाओं को ऋण देने के व्यवसाय में हैं। MUDRA देश में सूक्ष्म उद्यम क्षेत्र को सूक्ष्म वित्त सहायता प्रदान करने के लिए राज्य स्तर / क्षेत्रीय स्तर पर बैंकों, MFI और अन्य उधार देने वाले संस्थानों के साथ साझेदारी करेगा। सूक्ष्म वित्त एक आर्थिक विकास उपकरण है जिसका उद्देश्य पिरामिड के निचले भाग के लोगों को आय सृजन के अवसर प्रदान करना है। इसमें कई तरह की सेवाएं शामिल हैं, जिनमें क्रेडिट के प्रावधान के अलावा, कई अन्य क्रेडिट प्लस सेवाएं, वित्तीय साक्षरता और अन्य सामाजिक सहायता सेवाएं शामिल हैं।

### साहित्य की समीक्षा:

एम. शहद, एम. इरशाद (2016) स्वरोजगार वाले लोगों और छोटी व्यवसायिक इकाइयों के महत्व की पहचान करने के बाद भारत सरकार के द्वारा मुद्रा बैंक को लॉन्च किया गया। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत एम. एस. एम. ई. क्षेत्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए मुद्रा योजना महिलाओं सहित युवा शिक्षित या कुशल श्रमिकों और उद्यमियों को मुख्यधारा में लाने के लिए बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार प्रदान करती है इस शोध पत्र में मुद्रा योजना और उसके प्रमुख उद्देश्यों के बारे में जानने का एक प्रयास है ऐसे तथ्यों के विश्लेषण के लिए आंकड़ों के द्वितीयक स्रोत का प्रयोग किया गया है इस शोधपत्र में सभी राज्यों में मुद्रा योजना के प्रदर्शन एवं प्रभाव का विश्लेषण किया गया है।

वीणा गौतम, प्रवीण कुमार (2017) हमारे देश में सूक्ष्म और लघु उद्योग क्षेत्र में उच्च स्थान बनाने के लिए कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है जैसे – वित्तीय सहायता की कमी, बुनियादी ढांचे की कमी, साक्षरता की कमी और कई अन्य तकनीकी कमी जो इस क्षेत्र के सफलता में सबसे बड़ा बाधा उत्पन्न करती है। हमारे देश की आबादी बड़ी है अधिकतर जनसंख्या इन छोटे व्यवसायों पर निर्भर करती है। और यह देश के सकल घरेलू उत्पादन में भी अधिक योगदान देती है। इसलिए इस क्षेत्र को विकसित किया जाना अति आवश्यक है, सरकार द्वारा लाई गई मुद्रा योजना सूक्ष्म और लघु क्षेत्र की आवश्यकता को पूरा कर सूक्ष्म इकाइयों के विकास में सहायता प्रदान करती है। इस अध्ययन में मुद्रा योजना के प्रदर्शन एवं उनमें दी जाने वाली सुविधा का मूल्यांकन किया गया है। जो प्रत्यक्ष रूप से लोगों के जीवन स्तर एवं रोजगार सृजन और देश की सकल घरेलू उत्पादन में योगदान दे रही है। इसके लिए द्वितीयक स्रोतों का प्रयोग किया गया है।

योगेश महाजन (2019) इस अध्ययन का उद्देश्य महाराष्ट्र राज्य में मुद्रा ऋणों की स्थिति का अध्ययन करना। विभिन्न श्रेणियों जैसे एससी, एसटी, ओबीसी, महिला उद्यमियों के संदर्भ में पर प्रभाव

का विश्लेषण करना है। उद्यमों को मुद्रा ऋण प्रदान करने में अंतराल का अध्ययन करना। इस शोध अध्ययन में और वर्णनात्मक अनुसंधान क्रियाविधि का उपयोग किया गया है तथा महाराष्ट्र राज्य में मुद्रा ऋण की समीक्षा करता है। आंकड़ों के संग्रह हेतु द्वितीयक आंकड़ों पुस्तकों, समाचार पत्रों, वेबसाइटों, के माध्यम से एकत्र किया गया है। गुणात्मक और मात्रात्मक दोनों आंकड़ों एकत्र किए गये हैं।

सुनील कुमार (2020) एम. एस. एम. ई क्षेत्र हमारे देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इन क्षेत्रों की जरूरत को समझते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा मुद्रा योजना को लागू किया गया यह एक सार्वजनिक क्षेत्र वित्तीय संस्थान है। जिनमें सीधे लोगों को ऋण नहीं दिया जाता है। इस पेपर में मुद्रा ऋण के दोषों पर भी प्रकाश डाला गया है जिनमें मुद्रा ऋण की स्वीकृति और उसके वितरण से संबंधित है। इसमें कुछ सुझाव भी दिया गया है जैसे शिशु ऋण के तहत जो ऋणों की संख्या में वृद्धि हो रही है। पर किशोर तथा तरुण संख्या की मंजूरी पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। यह शोध द्वितीयक आंकड़ों के प्रयोग द्वारा किया गया है। आंकड़ों के संग्रह हेतु पत्र-पत्रिकाओं, शोध पत्रों, मुद्रा योजना की वेबसाइट से प्राप्त की गई है।

आर. श्रीनिवास (2021) इस अध्ययन का उद्देश्य प्रधान मंत्री मुद्रा योजना पर बैंकरों की धारणा की जांच करना तथा मुद्रा योजना की समस्याओं का अध्ययन करना और ऋण वृद्धि में सुधार के उपायों का सुझाव देना है। कुछ अध्ययनों से लघु उद्यमों में लगे व्यक्तियों की भलाई के लिए मुद्रा ऋण योगदान पर ध्यान केंद्रित किया गया जिसने पूरी अर्थव्यवस्था की प्रगति को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। अतः यह अध्ययन प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के प्रति उद्यमियों के जागरूकता स्तर और उनके व्यवसाय के विकास पर केंद्रित है। वर्तमान कार्य में यह एक केस स्टडी है। मुख्य रूप से मुद्रा बैंक एमएसएमई मंत्रालय आरबीआई राष्ट्रीयकृत बैंकों के लेखा खातों की रिपोर्ट से एकत्रित द्वितीयक आंकड़ों पर आधारित है। इस अध्ययन में महाराष्ट्र क्षेत्र और तेलंगाना राज्य में स्थित उद्यमियों से प्राथमिक डाटा भी एकत्रित किया गया है।

### मुद्रा योजना का विवरण:- मुद्रा योजना की भूमिकाएं और उत्तरदायित्व:

MUDRA का गठन पुनर्वित्त के रूप में वित्तीय सहायता सहित विभिन्न सहायता प्रदान करके देश में सूक्ष्म उद्यम क्षेत्र के विकास हेतु प्राथमिक उद्देश्य के साथ किया गया है, ताकि "अनफंडेड को फंडिंग" के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। 2 मार्च 2015 की भारत सरकार की प्रेस विज्ञप्ति में मुद्रा की भूमिकाएं और जिम्मेदारियां निर्धारित की गई हैं। इसके बाद GOI ने यह भी निर्णय लिया है कि MUDRA पुनर्वित्त सहायता प्रदान करेगा, वेब पोर्टल का प्रबंधन करके PMMY डेटा की निगरानी करेगा, PMMY के तहत दिए गए ऋणों के लिए गारंटी देने की सुविधा प्रदान करेगा और समय-समय पर इसे सौंपी गई अन्य गतिविधियां करेगा। तदनुसार MUDRA पिछले एक वर्ष से इन कार्यों को अंजाम दे रहा है।

### मुद्रा विजन

"व्यापक आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए पिरामिड ब्रह्मांड के निचले भाग के लिए वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं और मानकों के साथ उत्कृष्ट बेंचमार्क के साथ एक एकिकृत वित्तीय और सहायता सेवा प्रदाता बनना।"

### मुद्रा मिशन

"आर्थिक सफलता और वित्तीय सुरक्षा प्राप्त करने में हमारे सहयोगी संस्थानों के सहयोग से एक समावेशी, टिकाऊ और मूल्य आधारित उद्यमशीलता संस्कृति बनाने के लिए।"

### मुद्रा ऋण का उद्देश्य:

“मुद्रा ऋण विभिन्न उद्देश्यों के लिए बनाया गया है जो विनिर्माण, सेवाओं, खुदरा और कृषि में आय सृजन और रोजगार सृजन प्रदान करता है।

मुद्रा योजना के प्रकार:

तालिका नं.1

ऋण श्रेणी	शिशु	किशोर	तरुण
राशि	50,000	50,000–5,00,000	5,00,000–10,00,000
विवरण	यह ऋण उन उद्यमियों की जरूरतों को पूरा करता है जो अपना नया व्यवसाय शुरू कर रहे हैं या जिनके उद्योग विकास के शुरुआती चरण में हैं।	यह ऋण उन उद्यमियों की जरूरतों को पूरा करता है जो अपना नया व्यवसाय शुरू कर रहे हैं या जिनके उद्योग विकास के शुरुआती चरण में हैं।	यह ऋण योजना का उच्चतम स्तर है ये ऋण उन उद्यमियों के लिए हैं जिन्हें बड़े बदलाव करने की आवश्यकता है जैसे की उद्योग का विस्तार करना।

**शोध समस्या:** ऋण योजनाओं के तहत दी जाने वाली विभिन्न ऋण योजनाओं में मुद्रा योजना का लोगों में ज्ञान स्तर को जानने और उनमें जागरूकता स्तर को निर्धारित करने के लिए अध्ययन की आवश्यकता है।

**अनुसंधान का उद्देश्य:**

- वर्ष 2019–2020 और 2020–2021 के दौरान छत्तीसगढ़ में स्वीकृत राशि की संख्या में हुए परिवर्तन को जानने के लिए।
- वर्ष 2019–2020 और 2020–2021 के दौरान छत्तीसगढ़ में वितरित राशि की संख्या में हुए परिवर्तन को जानने के लिए।
- वर्ष 2019–2020 और 2020–2021 के दौरान छत्तीसगढ़ में खातों की संख्या में हुए परिवर्तन को जानने के लिए।
- भारत में मुद्रा योजना की उत्पत्ति और कार्यप्रणाली के संदर्भ में अध्ययन करना।

**अनुसंधान प्रविधि:** शोध अध्ययन के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए शोधकर्ता द्वारा पूर्णतः द्वितीयक आंकड़ों के विश्लेषण पर आधारित है।

**आंकड़ों का स्रोत:** आंकड़ों का स्रोत के रूप में भारत सरकार की रिपोर्ट, मुद्रा योजना की वार्षिक रिपोर्ट, मुद्रा योजना की वेबसाइटों से एकत्र किया गया है।

**सांख्यिकी विधि:** सांख्यिकी परीक्षण का प्रयोग किया जा सकता है (कुछ परीक्षण एकत्र किये गये आंकड़ों के अनुसार बदला जा सकता है।)

**अनुसंधान अवधि:** 3 वर्षों तक का अध्ययन करना।

**सीमाएं:** यह अध्ययन विभिन्न लघु उद्योगों पर प्रकाश डालता है जो मुद्रा योजना से जुड़े हुए हैं मुद्रा योजना द्वारा छत्तीसगढ़ में पिछले 3 वर्षों तक के प्रभाव की समीक्षा की गई है।

**शून्य परिकल्पना :**

H0— मुद्रा योजना का छत्तीसगढ़ के हितग्राहियों पर आर्थिक प्रभाव नहीं पड़ा है।

**आंकड़ों का विश्लेषण तथा मूल्यांकन:**

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का विवरण छत्तीसगढ़ (2019–2021)				
शिशु ऋण	वित्तीय वर्ष (2019–2020)	वित्तीय वर्ष (2020–2021)	कमी/वृद्धि	प्रतिशत परिवर्तन
ऋणखातों की संख्या	11155621	821423	कमी	26.36%
स्वीकृत राशि	3176.22	2320.11	कमी	26.95%
वितरण राशि	3148.1	2284.9	कमी	26.50%

तालिका नं.1 में 2019–2021 के दौरान छत्तीसगढ़ में शिशु ऋण की समीक्षा की गई है। शिशु ऋण के तहत 50,000 का राशी उपलब्ध कराई जाती है। इनमें शिशु ऋण संख्या में कमी हुई है। वित्तीय वर्ष 2019–20 में खोले गए खातों की संख्या 11155621 थी जो कि 2020–21 में घट कर 821423 हो गई है। 26.36% का प्रतिशत परिवर्तन है। स्वीकृत राशि में 3176.22 था जो कम होकर 2320.11 हो गई है। जो यह दर्शाता है की शिशु ऋण के अंतर्गत छत्तीसगढ़ में कमी आई है।

तालिका नं.2

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का विवरण छत्तीसगढ़ (2019–2021)				
किशोर ऋण	वित्तीय वर्ष (2019–2020)	वित्तीय वर्ष (2020–2021)	कमी/वृद्धि	प्रतिशत परिवर्तन
ऋणखातों की संख्या	120936	180074	वृद्धि	48%
स्वीकृत राशि	1851.61	2558.65	वृद्धि	38%
वितरण राशि	1676.15	2360.22	वृद्धि	40%

तालिका नंबर. 2 वित्तीय वर्ष 2019–2021 के दौरान छत्तीसगढ़ में किशोर ऋण में वृद्धि आई है। किशोर ऋण के तहत 5 लाख तक की राशि उपलब्ध कराई जाती है। उपरोक्त तालिका में छत्तीसगढ़ के अंतर्गत किशोर ऋण संख्या में वृद्धि हुई है। वित्तीय वर्ष 2019–2021 में 120936 थी जो की वृद्धि होकर 2020–21 में 180074 हो गई है। इसमें 48% की बढ़ोतरी आई है। वही स्वीकृत राशि 2019–2020 में 1851.61 था जो बढ़कर 2558.65 हो गया है। उपयुक्त तालिका यह दर्शाता है। किशोर ऋण के अंतर्गत छत्तीसगढ़ में वृद्धि आई है।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का विवरण छत्तीसगढ़ (2019–2021)				
तरुण ऋण	वित्तीय वर्ष (2019–2020)	वित्तीय वर्ष (2020–2021)	कमी/वृद्धि	प्रतिशत परिवर्तन
ऋणखातों की संख्या	24520	25769	वृद्धि	5%
स्वीकृत राशि	1931.21	1868.04	कमी	3.2%
वितरण राशि	1867.44	1777.95	कमी	4.79%

वित्तीय वर्ष 2019–2020 की तुलना में वर्ष 2020 21 में कमी हुई है क्योंकि पिछला वर्ष विश्व अर्थव्यवस्था के लिए एक परीक्षण का समय रहा है। कोविड-19 हमारे देश की अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में भी व्यापक समस्याओं का सामना करना पड़ा है। कोविड-19 का प्रभाव सूक्ष्म उद्यम और लघु व्यवसाय पर अधिक स्पष्ट और कठिन रहा है जो परंपरागत रूप से सबसे अधिक आर्थिक रूप से कमजोर रहे हैं।

**निष्कर्ष:** मुद्रा योजना देश में लाखों गैर-वित्तपोषित सूक्ष्म उद्यमों को उनकी व्यावसायिक गतिविधियों के लिए आवश्यक ऋणों के साथ सेवा प्रदान करती है, जिसके परिणामस्वरूप उनके जीवन का विकास होता है। मुद्रा योजना के तहत आय उत्पन्न करने का एक अच्छा विकल्प भारत सरकार द्वारा तैयार किया गया है। जो देश की आर्थिक स्थिति को मजबूत बना देगी। आरंभ में पात्रता मापदण्ड के आधार पर मुद्रा ने अंतिम उधारकर्ता की सहायता प्रदान करने के लिए 27 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, 17 नीजी बैंक 27 क्षेत्रीय बैंक और 25 सूक्ष्म वित्त संस्थान अनुबंध सूची के अनुसार भागीदार संस्थान के रूप में नामांकित किया है। किशोर ऋण राशि के अंतर्गत तो बढ़ोतरी हुई है। शिशु तथा तरुण ऋण राशि में बढ़ोतरी कर आवश्यकता है।

## REFERENCES

- Sahid Mohammad & Irshad Mohammad (2016) “A Descriptive study on pradhan mantra Mudra Yojana (PMMY)” International journal of latest Trends in Engineering and technology issue-SACAIM, pp-121-125 E-ISSN- 2278-621X
- Gautam Veena & Kumar Praveen & Gopal Krishna (2017) “Analysis the performance of MUDRA” international Journal in management and social science – Vol.05, Issue-06, ISSN-2321-1784
- Kumar Sunil (2020) “Micron unit development and refinance Agency Ltd. (MUDRA):- concept, performance and evaluation” dogo Rangsang research Journal vol-10, issue -06, ISSN-2347-7180
- D. Mahjan Yogesh (2019) “A study and review of pradhan mantra mudra yojna (pmm) in the state of maharashtra international journal of Advance and innovative research vol : 6 Issue- 2 (XVII), ISSN-2394-7780
- <https://www.mudra.org.in>
- <https://pmmodyojna.in>